Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding creation of a separate State of Mithila.

श्री कीर्ति आजाद (दरभंगा): अध्यक्ष महोदया, जनक नंदनी जानकी माता सीता मिथिला की बेटी थीं । 90 प्रतिशत उत्तर बिहार का क्षेत्र मिथिला का है। अनेकों ऋषि-महर्षि वहां पर पैदा हुए। सांख्यिकी और मीमांसा भी वहीं की देन है। मिथिला कृषि, शिक्षा के क्षेत्र में पूरे देश में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराता रहा है। आज वह विपन्नता के दौर में है। चीनी मिल, जुट, पेपर, खाद, सूत, खादी भंडार, सिल्क मिल जैसे सैंकड़ों रोजगार उद्योग आज की तारीख में बंद हो चुके हैं। बाढ़-सुखाड़ एवं विपदाओं ने मिथिला को पिछड़े और बैकवर्ड स्तर पर ले जा चुकी है। बाढ़ की समस्या का कोई स्थायी निदान सरकार के पास नहीं है। पलायन यहां की मजबूरी बन चुकी है। राज्य सरकार मिथिला के विकास के लिए कुछ नहीं कर रही है। केंद्र सरकार प्रायोजित योजनाओं का लाभ भी दूसरे दर्जे पर मिथिला को मिल रहा है। मिथिला की भाषा सांस्कृति के संरक्षण एवं प्रचार हेतु भी कोई प्रभावशाली योजना सरकार के पास नहीं है। मिथिला की जनता कई सालों से अपने विकास हेतु मिथिला राज्य की मांग कर रही है। जो भाषाई और सांस्कृतिक आधार पर संवैधानिक रूप से न्यायसंगत है। अत: सदन के माध्यम से मेरा अनुरोध है कि सरकार मिथिला के विकास के लिए अतिशीघ्र मिथिला राज्य के निर्माण पर विचार करे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

डॉ. कुलमणि सामल को श्री कीर्ति आजाद द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।